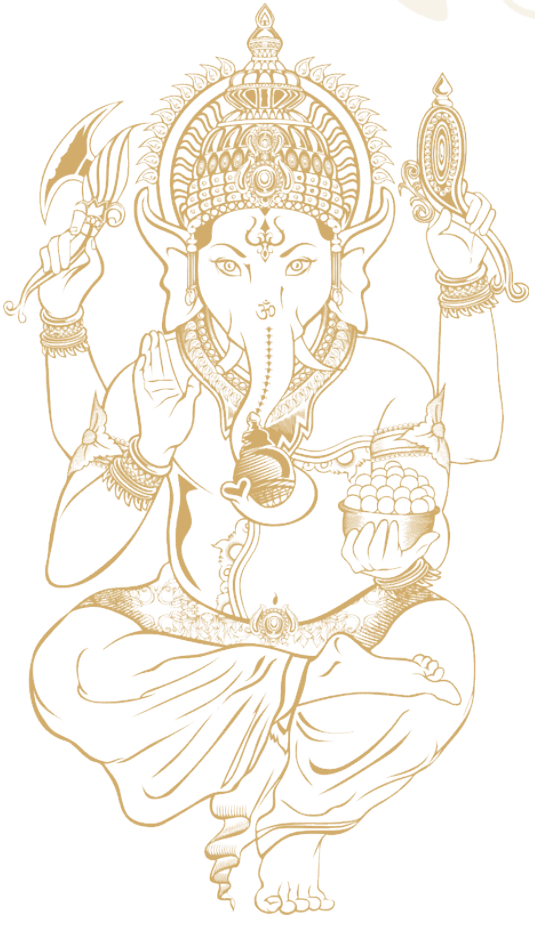

Leeladhar Lodwal

06 Mar 1976

08:30 AM

Indore

Model: web-freekundliweb

Order No: 121478602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/03/1976**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**08:30:00 घंटे**
इष्ट	04:25:26 घटी
स्थान	**Indore**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	22:42:00 उत्तर
रेखांश	75:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:03:36 घंटे
वेलान्तर	-00:11:19 घंटे
साम्पातिक काल	18:59:30 घंटे
सूर्योदय	06:43:49 घंटे
सूर्यास्त	18:31:50 घंटे
दिनमान	11:48:01 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	22:08:53 कुम्भ
लग्न के अंश	26:05:22 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	ऐन्द्र
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लू-लूनेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	26:05:22	466:46:25	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	---
सूर्य			कुंभ	22:08:53	01:00:04	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	18:07:19	11:49:40	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	सम राशि
मंगल			मिथु	01:20:24	00:23:09	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	शत्रु राशि
बुध			कुंभ	01:15:23	01:30:43	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
गुरु			मेष	01:58:27	00:12:42	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			मक	25:28:42	01:13:59	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	मित्र राशि
शनि	व		कर्क	02:55:31	00:02:20	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		तुला	20:33:02	00:00:18	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		मेष	20:33:02	00:00:18	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
हर्ष	व		तुला	13:21:13	00:01:16	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
नेप			वृश्चि	20:25:01	00:00:20	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
प्लूटो	व		कन्या	17:28:51	00:01:28	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	---
दशम भाव			धनु	20:10:04	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:31:41

लग्न-चलित

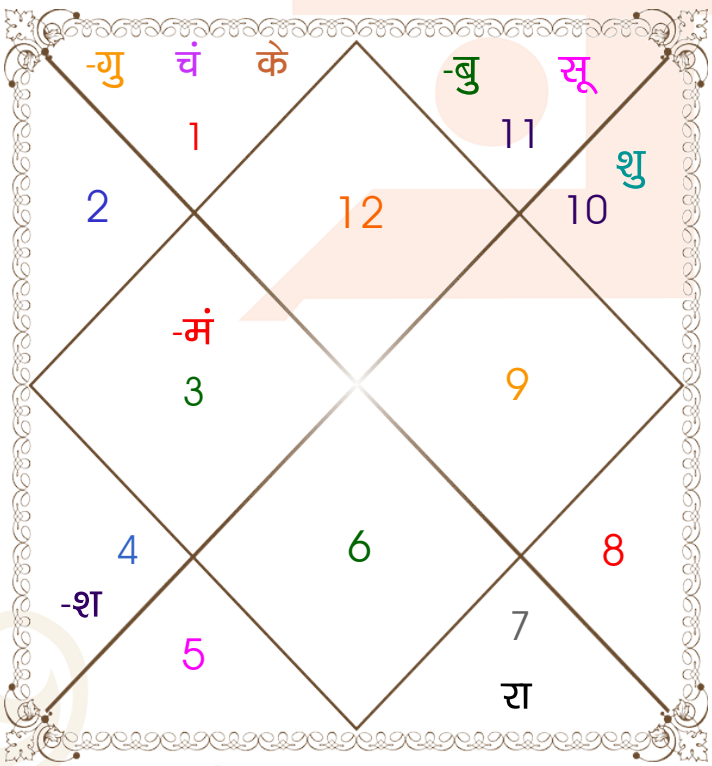

चन्द्र कुंडली

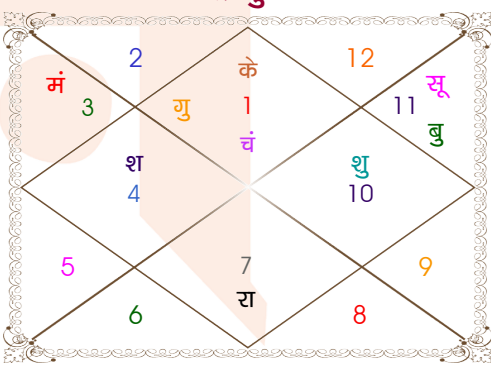

नवमांश कुंडली

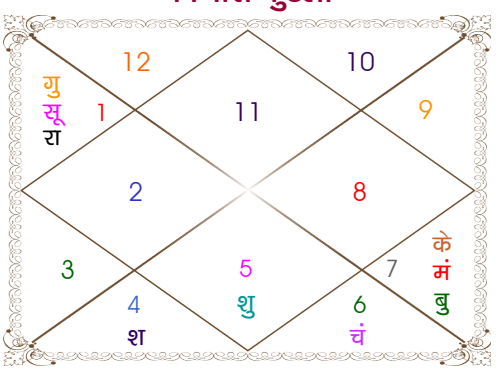

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 12 वर्ष 9 मास 24 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
06/03/1976		29/12/1988		30/12/1994		29/12/2004		30/12/2011	
29/12/1988		30/12/1994		29/12/2004		30/12/2011		30/12/2029	
	00/00/0000	सूर्य	18/04/1989	चंद्र	30/10/1995	मंगल	27/05/2005	राहु	11/09/2014
	00/00/0000	चंद्र	18/10/1989	मंगल	30/05/1996	राहु	15/06/2006	गुरु	04/02/2017
	00/00/0000	मंगल	22/02/1990	राहु	29/11/1997	गुरु	22/05/2007	शनि	12/12/2019
	06/03/1976	राहु	17/01/1991	गुरु	31/03/1999	शनि	30/06/2008	बुध	30/06/2022
राहु	01/03/1979	गुरु	05/11/1991	शनि	29/10/2000	बुध	27/06/2009	केतु	19/07/2023
गुरु	30/10/1981	शनि	17/10/1992	बुध	31/03/2002	केतु	23/11/2009	शुक्र	18/07/2026
शनि	29/12/1984	बुध	24/08/1993	केतु	30/10/2002	शुक्र	23/01/2011	सूर्य	12/06/2027
बुध	30/10/1987	केतु	30/12/1993	शुक्र	30/06/2004	सूर्य	31/05/2011	चंद्र	11/12/2028
केतु	29/12/1988	शुक्र	30/12/1994	सूर्य	29/12/2004	चंद्र	30/12/2011	मंगल	30/12/2029

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
30/12/2029		30/12/2045		29/12/2064		30/12/2081		29/12/2088	
30/12/2045		29/12/2064		30/12/2081		29/12/2088		00/00/0000	
गुरु	17/02/2032	शनि	01/01/2049	बुध	28/05/2067	केतु	28/05/2082	शुक्र	30/04/2092
शनि	30/08/2034	बुध	12/09/2051	केतु	24/05/2068	शुक्र	28/07/2083	सूर्य	30/04/2093
बुध	05/12/2036	केतु	20/10/2052	शुक्र	25/03/2071	सूर्य	03/12/2083	चंद्र	30/12/2094
केतु	11/11/2037	शुक्र	21/12/2055	सूर्य	30/01/2072	चंद्र	03/07/2084	मंगल	29/02/2096
शुक्र	12/07/2040	सूर्य	02/12/2056	चंद्र	30/06/2073	मंगल	29/11/2084	राहु	06/03/2096
सूर्य	30/04/2041	चंद्र	03/07/2058	मंगल	27/06/2074	राहु	17/12/2085		00/00/0000
चंद्र	30/08/2042	मंगल	12/08/2059	राहु	14/01/2077	गुरु	23/11/2086		00/00/0000
मंगल	06/08/2043	राहु	18/06/2062	गुरु	21/04/2079	शनि	02/01/2088		00/00/0000
राहु	30/12/2045	गुरु	29/12/2064	शनि	30/12/2081	बुध	29/12/2088		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 12 वर्ष 9 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि के विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगे।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचते हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होते हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पत्नी के समक्ष जाते हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पत्नी के सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाते हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाले नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाले प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगे एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकते हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगे। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप नारी के प्रति विरोधात्मक रूख आपनाएंगे तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति के व्यक्ति हो तथा अपने जीवन में सफल होंगे। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखते रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि के धार्मिक व्यक्ति हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकते है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकते हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।